जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 05 दिसंबर 2018

अरबन रिजेनरेशन पर जेएमआई में इंटरनेशनल सेमिनार

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की फैकल्टी आॅफ आर्किटेक्चर एंड एकिस्टिक्स, अरबन रिजेनरेशन पर इंटरनेशनल सेमिनार का आयोजन कर रही है। सात दिसंबर को होने वाले इस सेमिनार में " आधुनिक परिप्रेक्ष्य, हुनर एवं संभावनाएं ":कन्टेम्परेरी पेरडाइम , प्रैक्टिस एंड पासबिलिटीः पर ख़ास विचार होगा।

इस सेमिनार में नीदरलैंड, दुबई, ज़्यूरिच और भारत से इस क्षेत्र के जाने माने लोग वक्ता होंगे। वे अरबन रिजेनरेशन संबंधी अपने कार्यों और अनुभवों को इस सेमिनार में रखेंगे।

इस विभाग की डीन प्रो हिना ज़िया सेमिनार की संयोजक हैं। उन्होंने कहा कि इससे इस क्षेत्र के पूर्व और पश्चिम के लोग अपने अनुभवों को आपस में बांट सकेंगे।

सेमिनार में यूरोप, पश्चिम एशिया और भारत की हाल की बड़ी और अनूठी वास्तुकला संबंधी परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

विभाग के प्रमुख प्रो एस. एम. अख्तर ने कहा कि मौजूदा शहरों का पुनरूद्धार न सिर्फ वक्त की जरूरत है बल्कि वातावरणीय और पारिस्थितिकीय नज़रिए से भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शहरों की अधिकतम क्षमता का बेहतर तरीके से दोहन करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

उन्होंने इस बात पर खुशी ज़ाहिर की कि जामिया मिल्लिया अरबन रिजेनरेशन में मास्टर्स कोर्स चलाने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है।

जेएमाआई के मीर अनीस हाल में आयोजित यह सेमिनार सभी के लिए खुला है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक